दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 07 सितंबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 339

महत्वपूर्ण एवं खास

जी- 20 की शिखर बैठक में भाग लेने पहुंचे नाइजीरिया के राष्ट्रपति

नई दिल्ली (आरएनएस)। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू जी- 20 की शिखर बैठक में भाग लेने के लिए बुधवार तडक़े भारत पहुंच गए। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने पालम सैन्य हवाई अड्डे पर श्री बोला का स्वागत किया। प्रोफेसर बघेल ने एक्स पर यह जानकारी देते हुए बताया कि जी 20 शिखर बैठक में शामिल होने के लिए आने वाले सभी राष्ट्राध्यक्षों में से भारत में सर्वप्रथम आगमन नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू का हुआ है। उन्होंने कहा, भारत सरकार की ओर से उनका स्वागत करने का अवसर मुझे प्राप्त हुआ । अतिथि देवो भव की परंपरा को निभाने वाले हमारे देश में उनका हम हृदय पूर्वक स्वागत करते हैं। इस अवसर पर नाइजीरिया के विदेश मंत्री युसूफ तुग्गर और भारत में नाइजीरिया के उच्चायुक्त अहमद सूले भी उपस्थित थे। जी 20 की शिखर बैठक नई दिल्ली में नौ सितंबर और 10 सितंबर को आयोजित की जा रही है।

पीएम मोदी ने बुलाई मंत्रिपरिषद की बैठक, जी-20 सम्मेलन को लेकर विदेश मंत्रालय देगा प्रजेंटेशन

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर बुधवार को मंत्रिपरिषद की बैठक बुलाई है। बताया जा रहा है कि, इस बैठक में भारत में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर एक प्रजेंटेशन दिया जाएगा, जिसके जरिए सरकार के सभी मंत्रियों को इस सम्मेलन से जुड़ी और भारत की अध्यक्षता को लेकर तमाम जानकारी दी जाएगी। मंत्रिपरिषद की बैठक में विदेश मंत्रालय द्वारा यह प्रजेंटेशन दिया जाएगा। मंत्रिपरिषद में कैबिनेट मंत्रियों के अलावा राज्य मंत्री भी शामिल होते हैं। केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैबिनेट मंत्रियों के साथ अलग से केंद्रीय मंत्रिमंडल और सीसीईए की बैठक भी करेंगे जिसमें कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे।

पीएम मोदी की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले एसपीजी के डायरेक्टर अरुण सिन्हा का निधन

नई दिल्ली (आरएनएस)। एसपीजी के डायरेक्टर अरुण कुमार सिन्हा का निधन हो गया है। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, वो लंबे समय से बीमार चल रहे थे। 61 साल के अरुण कुमार सिन्हा को कुछ समय पहले ही सर्विस में एक्सटेंशन दिया गया था। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप के पास ही देश के प्रधानमंत्री की सुरक्षा का जिम्मा रहता है। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप के जिम्मे प्रधानमंत्री और उनके परिवार की सुरक्षा होती है। साल 1985 में इस ग्रुप का गठन किया गया था, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद एसपीजी को बनाया गया था। एसपीजी प्रधानमंत्री के घर, ऑफिस, देश या विदेश में कहीं भी होने वाले कार्यक्रम, दौरे की सुरक्षा देखती है। पहले एसपीजी के जिम्मे पूर्व प्रधानमंत्री और उनके परिवारवालों की सुरक्षा भी रहती थी, हालांकि साल 2019 में एक नया एक्ट लाकर इस नियम में बदलाव किया गया था। नए नियम के मुताबिक, कोई भी प्रधानमंत्री पद छोडऩे के पांच साल बाद तक एसपीजी की सुरक्षा ले सकता है, वो भी इंटेलीजेंस रिपोर्ट के आधार तय किया जाता है।

दुनिया ले रही जहरीली सांसे, हर साल हो रही 70 लाख से अधिक लोगों की मौत

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनिया गुटेरेस ने कहा कि दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष प्रदूषित वायु से 70 लाख से अधिक लोगों की असमय मौत हो जाती है। गुटेरेस ने आज यहां सात सितंबर को मनाये जाने वाले 'नीले आकाश के लिए स्वच्छ वायु का अंतरराष्ट्रीय दिवस पर' यह बात कही। उन्होंने कहा कि विश्व की करीब 99 प्रतिशत आबादी कालिख,गन्धक और विषैले रासायनों वाली वायु में सांस ले रही है और इसका वैश्विक तापमान में वृद्धि से गहरा संबंध है। यहां जारी बयान में उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण की समस्या निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में अधिक गंभीर है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण किसी सीमा में नहीं बंधा रहता और इसके दूषक तत्व हजारों किलोमीटर तक फैलते जाते है। प्रत्येक महाद्वीप पर जलवायु संकट का विनाशकारी प्रभाव बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए हमें मिलकर स्वच्छ वायु के लिए काम करना होगा।

शिवनाथ नदी में पुल से बोलेरो पिकअप वाहन गिरने से दो बच्चियों समेत 4 लोगों की मौत, एक बच्ची लापता

दुर्ग (आरएनएस)। संतानों की लंबी आयु के लिए मनाए जाने वाले कमरछठ पर्व की रात मंगलवार को शहर में सामने आए एक बड़े हादसे ने सबका दिल दहला दिया। इस हादसे में एक बोलेरो पिकअप वाहन दुर्ग-राजनांदगांव मार्ग पर स्थित शिवनाथ नदी के पुराने पुल से अनियंत्रित होकर सीधे गहरे नदी में जा गिरी। जिसमें सवार पांच लोगों में से दो मासूम बच्चियों समेत एक महिला व पुरुष के शव पुलिस ने एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीम के मदद से बरामद कर ली है। हादसे के बाद से एक बच्ची शिवनाथ नदी के तेज बहाव में लापता है। जिसकी तलाश जारी है। मृतक ललित साहू 31 वर्ष पिता हरिशंकर साहू सुभाष चौक बोरसी और मृतका तामेश्वरी देशमुख 32 वर्ष पति गिरिश देशमुख सक्सेना बिल्डिंग कसारीडीह दुर्ग की निवासी थी। हादसे में मृतका की दो बच्ची यश लक्ष्मी 14 वर्ष व कुमुद देशमुख 3 वर्ष की भी मौत हो गई। तीसरी बच्ची गरिमा देशमुख 7 वर्ष हादसे के बाद से लापता है। ये लोग मंगलवार की रात करीब 12 से 12.30 बजे के आसपास देवादा स्थित केजीएन ढाबा से भोजन कर बोलेरो पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 07 सीएम 0860 से शिवनाथ नदी का पुराना पुल पार करते हुए दुर्ग की ओर वापस लौट रहे थे, तब वे शिवनाथ नदी में दर्दनाक हादसे का शिकार हो गए। घटना की खबर अंजोरा पुलिस को रात में ही लग गई थी, लेकिन अंधेरे में शिवनाथ नदी के तेज बहाव के बीच बोलेरो पिकअप वाहन सवार डूबे लोगों की खोजबीन संभव नहीं हो सकी। बुधवार की सुबह बोलेरो पिकअप वाहन की तलाश में एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीम शिवनाथ नदी में उतारी गई। टीम ने कुछ घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह करीब 10 बजे के आसपास बोलेरो पिकअप वाहन को ढूंढ निकाला और क्रेन की मदद से वाहन को बाहर लाया गया, लेकिन वाहन के जब दरवाजे खोले गए तो एक नहीं 4 शवों को देखकर मौके पर मौजूद पुलिस के अलावा लोगों के रोंगटे खड़े हो गए।महिला-पुरुष समेत दो बच्चियों के शव को फौरन पोष्टमार्टम के लिए मन्ध्युरी भिजवाया गया। पुलिस के मुताबिक मृतक ललित साहू बीएसपी में ठेकेदार के अधीनस्थ वाहन का चालक था। उसके भी दो बच्चे है। मृतका तामेश्वरी देशमुख गृहणी थी। मृतक व मृतका का मूल ग्राम सकरौद(गुण्डरदेही) था। इसलिए दोनों के बीच जान-पहचान थी और घर आना-जाना था। बहरहाल अंजोरा पुलिस चौकी ने मर्ग कायम कर मामले को जांच पर लिया है।

ढाबा में मिले सीसीटीवी फुटेज से तीसरी बच्ची का चला पता- पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतकों के शिनाख्त प्रक्रिया के दौरान पुलिस को मृतको के खाना खाने के दौरान केजीएन ढाबा के सीसीटीवी कैमरा से फुटेज भी मिले। फुटेज में महिला-पुरुष के साथ तीन बच्चियां पुलिस को नजर आई। फुटेज के आधार पर पुलिस जांच में आगे बढ़ी तो उसे तीसरी बच्ची का भी पता चला। पुलिस को अनुमान है कि तीसरी बच्ची गरिमा देशमुख शिवनाथ नदी के तेज बहाव में लापता है। इसकी बच्ची के पिता गिरिश देशमुख ने भी पुष्टि की है।पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक ललित साहू और मृतका तामेश्वरी देशमुख पति-पत्नी नहीं है। तीनों बच्चियां मृतका तामेश्वरी देशमुख के है। मृतका तामेश्वरी का पति गिरिश देशमुख सीएसएफ माना कैंप रायपुर में पदस्थ है। उसकी 2009 में शादी हुई थी। वह अपनी पत्नी व 3 बच्चियों के साथ कसारीडीह चौक स्थित सक्सेना बिल्डिंग में किराए से रहता है।

कमरछठ पर्व की पूजा-अर्चना कर तामेश्वरी बच्चियों के साथ निकली थी घूमने- मृतका तामेश्वरी के पति गिरिश देशमुख ने पुलिस को बताया कि तामेश्वरी मंगलवार की दोपहर करीब 1 बजे कमरछठ पर्व की पूजा कर अपने तीन बच्चियों के साथ घूमने जा रहे है, कहकर घर से निकली थी। उनके देर शाम तक घर वापस नहीं लौटने पर उनकी आसपास पतासाजी की गई, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल पाया था। पुलिस की सूचना पर उसे पत्नी व बच्चियों की मौत की खबर लगी। पति गिरिश देशमुख ने बताया कि हम लोग ग्राम सकरौद(गुण्डरदेही) जिला बालोद के मूल निवासी है। मृतका तामेश्वरी देशमुख का मायका ग्राम खुमानपुर भरदाकला है।मृतक ललित साहू का भी मूल ग्राम सकरौद है। जिससे उसकी जान पहचान थी। मृतक ललित साहू अक्सर घर आया-जाया करता था। मृतका तामेश्वरी के पति गिरिश देशमुख ने बताया कि पुत्री यशलक्ष्मी आदर्श कन्या स्कूल में कक्षा 7 वीं की छात्रा थी। छोटी पुत्री कुमुद देशमुख प्राथमिक पाठशाला कसारीडीह में कक्षा दूसरी में पढ़ती थी। लापता मंझली पुत्री गरिमा देशमुख आदर्श कन्या विद्यालय में कक्षा 6वीं की छात्रा है।

दर्दनाक हादसा : स्कूटी-कार की भयंकर टक्कर में दो की मौत, गाड़ी के उड़े परखच्चे

मेरठ (आरएनएस)। मेरठ जनपद के सरधना में मेरठ-बड़ौत मार्ग पर हिंडन नदी के पास कार की टक्कर लगने से स्कूटी सवार चैनल के पत्रकार और उसकी चाची की मौत हो गई। सडक़ हादसे में कार और स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई। बताया गया कि कैंटर ने आगे चल रही कार में टक्कर मारी थी, इसके बाद स्कूटी से कार से जा टकराई। मृतक दिल्ली के एक न्यूज चैनल में पत्रकार था। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सरधना थाना क्षेत्र के गांव का कालंद निवासी अमन त्यागी (24) पुत्र प्रदीप त्यागी अपनी चाची रीना त्यागी के साथ बागपत जिले के गांव बरनावा में अपने मामा नरेश के यहां किसी मौत के बाद परिवार से मिलकर लौट रहा था। मंगलवार शाम हिंडन नदी के पास पहुंचने पर मेरठ-बड़ौत रोड पर कैंटर ने आगे चल रही कार में टक्कर मार दी। कार की चपेट में आकर दोनों स्कूटी सवार खाई में जा गिरे और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं, कार सवार एक युवक भी घायल हो गया, जबकि कैंटर चालक मौके से कैंटर लेकर फरार हो गया। सूचना के बाद थाना सरूरपुर पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी निरीक्षक देव सिंह रावत ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल भेज दिया है। पुलिस ने खाई में पड़ी कार और स्कूटी को निकालने के लिए क्रेन की मदद ले रही थी।

परिवार में मचा कोहराम

हादसे की सूचना के बाद परिवार कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि अमन त्यागी दिल्ली में ज़ी न्यूज़ चैनल में पत्रकार थे। हादसे को लेकर परिवार वालों का रो रोकर बुरा हाल है। मृतक के बरनावा से काफी रिश्तेदार भी मौके पर पहुंच गए थे।

अब कुर्ता पायजामा में भी नजर आएंगे नौसेना के जवान

❑ पारंपरिक पहनावा बनेगा नया ड्रेस कोड

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में इस समय भारत बनाम इंडिया का विवाद जोरों पर है। जी20 मीटिंग को लेकर राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी निमंत्रण पत्र में 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखे जाने के बाद विपक्ष सरकार पर हमलावर है। उसका कहना है कि सरकार देश का नाम बदलने जा रही है। बता दें कि विपक्षियों ने अपने गठबंधन का नाम 'इंडिया ' रखा है। इसी बीच भारतीय नौसेना के जवानों को पारंपरिक भारतीय परिधानों को पहनने की अनुमति देने की भी चर्चा चल रही है। अगर यह ड्रेस कोड लागू हो जाता है तो भोजनालय और वॉर्डरूम में जवान और अधिकारी भारतीय पोशाक में नजर आएंगे। बता दें कि अब तक सेना में भारतीय परिधानों को पहनने की मंजूरी नहीं थी।

नौसेना की तीन दिन की कॉन्फ्रेंस से इतर नेशनल सिविल ड्रेस का भी प्रदर्शन किया गया। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट के सामने इन परिधानों को प्रदर्शित किया गया जिसमें कुर्ता पायजामा, फॉर्मल वेस्टकोट, चूड़ीदार पैजामा और गलाबंद सूट शामिल था। हालांकि अभी इन परिधानों को लेकर कोई फैसला नहीं किया गया है। शीर्ष अधिकारों के सामने विचार के लिए यह मुद्दा जरूर रखा गया है।

सेना में अंग्रेजों के जमाने से ही भारतीय परिधानों को अनुमति नहीं है। जवानों के साथ मेहमान भी सेना के भोजनालय में भारतीय परिधान पहनकर नहीं जा सकते। हालांकि पश्चिमी संस्कृति को हटाने में नौसेना सबसे आगे नजर आ रही है। बीते साल दिसंबर में नेवी चीफ ऐडमिरल आर हरि कुमार ने कहा था, प्रधानमंत्री ने लालकिले से पंच प्राण का जिक्र किया। इसमें गुलामी की मानसिकता से मुक्ति भी शामिल था।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने नौसेना के स्वदेशी एनसाइन का भी अनावरण किया जिसमें से लाल रंग के सेंट जॉर्ज क्रॉस को हटा दिया गया। बीते साल आईएनएस विक्रांत के कमीशन होने के मौके पर यह किया गया था। बीते महीने नौसेना में एक और बड़ा परिवर्तन किया गया है। नौसेना के अधिकारी आम तौर पर अपने पास एक डंडा रखा करते थे जिसे अब नियम से हटा दिया गया है। कहा गया कि यह औपनिवेशिक शासन का प्रतीक था और गुलामी को दर्शाता था।

सुप्रीमकोर्ट ने मणिपुर हिंसा की रिपोर्टिंग मामले में एडिटर्स गिल्ड के सदस्यों को दी राहत, 11 को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ईजीआई) के अध्यक्ष और तीन संपादकों को राज्य में जारी हिंसा पर कथित तौर से पक्षपातपूर्ण और तथ्यात्मक रूप से गलत रिपोर्ट जारी करने के लिए मणिपुर पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के संबंध में किसी भी दंडात्मक कार्रवाई के खिलाफ अंतरिम सुरक्षा प्रदान की।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आदेश दिया, सूचीबद्ध होने की अगली तारीख तक, दर्ज की गई प्राथमिकी के संबंध में याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की जायेगी। मामले की अगली सुनवाई सोमवार 11 सितंबर को होगी।

मणिपुर सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील कनु अग्रवाल ने अदालत से सोमवार को याचिका पर सुनवाई करने का अनुरोध किया। उन्होंने यह भी कहा कि इसे उच्च न्यायालय को भेजा जा सकता है और उच्च न्यायालय अपनी योग्यता के आधार पर इस पर निर्णय ले सकता है। पीठ ने संकेत दिया कि वह इस मामले को विचार के लिए मणिपुर उच्च न्यायालय को भेज सकती है।

इस पर, ईजीआई द्वारा गठित तथ्य-खोज समिति के सदस्यों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने व्यक्तिगत रूप से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और एक बयान दिया।

इससे पहले सुबह शीर्ष अदालत ईजीआई के अध्यक्ष और तीन संपादकों – सीमा गुहा, भारत भूषण और संजय कपूर द्वारा दायर रिट याचिका पर तत्काल सुनवाई करने पर सहमत हुई, जिसमें जातीय हिंसा और परिस्थितिजन्य पहलुओं की मीडिया रिपोर्टों का अध्ययन करने के लिए याचिकाकर्ताओं के पिछले महीने पूर्वोत्तर राज्य का दौरा करने के बाद मणिपुर पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी को चुनौती दी गई थी।

दीवान ने याचिका का उल्लेख करते हुए कहा, मामले में बहुत गंभीर तात्कालिकता हैज् अनिवार्य रूप से, हम गिरफ्तारी और दंडात्मक कदमों से तत्काल सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके ग्राहक मणिपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की आशंका जता रहे हैं।

ईजीआई की तीन सदस्यीय तथ्यान्वेषी टीम ने मणिपुर का दौरा करने के बाद पिछले सप्ताह नई दिल्ली में अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें दावा किया गया कि मणिपुर में जातीय हिंसा पर मीडिया की रिपोर्ट एकतरफा थीं, और राज्य नेतृत्व पर पक्षपातपूर्ण होने का आरोप लगाया।

ईजीआई की 24 पेज की रिपोर्ट ने अपने निष्कर्ष और सिफारिशों में कहा, इसे जातीय संघर्ष में पक्ष लेने से बचना चाहिए था लेकिन यह एक लोकतांत्रिक सरकार के रूप में अपना कर्तव्य निभाने में विफल रही, जिसे पूरे राज्य का प्रतिनिधित्व करना चाहिए था। प्राथमिकी में कहा गया है कि ईजीआई रिपोर्ट में मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में एक जलती हुई इमारत की तस्वीर को कुकी हाउस के रूप में कैप्शन दिया गया है। हालाँकि, इमारत वन विभाग का एक कार्यालय था जिसे 3 मई को भीड़ द्वारा आग के हवाले कर दिया गया था, जिस दिन राज्य के अन्य हिस्सों के साथ जिले में बड़े पैमाने पर हिंसा भडक़ी थी।

भोपाल से मुंबई जाने वाले विमान में खराबी, फ्लाइट निरस्त, यात्रियों ने किया हंगामा

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल से मुंबई जा रही इंडिगो की नाइट फ्लाइट में मंगलवार देर रात को अचानक तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते विमान टेकआफ नहीं हो सका और फ्लाइट को ऐनवक्त पर निरस्त करना पड़ा। फ्लाइट निरस्त होने से परेशान यात्रियों ने देर रात को ही एयरपोर्ट पर जमकर हंगामा किया। इंडिगो प्रबंधन रात को वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कर सका, इस कारण यात्री नाराज दिखे।

इंडिगो की रात की उड़ान निर्धारित समय से आधे घंटे की देरी से मुंबई से भोपाल पहुंच गई थी। मुंबई से भोपाल आने वाले यात्रियों को कोई परेशान नहीं हुई, लेकिन जब यही उड़ान भोपाल से मुंबई जाने को तैयार थी, उसी समय विमान के इंजन में खराबी आ गई। तकनीकी खराबी के कारण पहले उड़ान को होल्ड किया गया। यात्रियों को लगा कि कुछ समय में विमान टेकआफ होगा लेकिन ऐसा नहीं हो सका। रात्रि करीब 12 बजे कंपनी ने उड़ान निरस्त करने की घोषणा कर दी लेकिन यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जा सकी। कई यात्रियों ने इस पर नाराजगी प्रकट करते हुए जमकर हंगामा किया। यात्रियों को होटल में ठहराने की व्यवस्था भी नहीं हो सकी। कई यात्रियों ने टिकट निरस्त करवा दिए। वहीं कुछ यात्री सुबह तक एयरपोर्ट पर बैठे रहे। यात्रियों को सुबह की उड़ान से मुंबई भेजा गया। एयरपोर्ट अथारिटी को इंडिगो ने सूचना दी कि तकनीकी कारणों से उड़ान को निरस्त करना पड़ा।

जी-20 के प्रतिनिधि दुनिया के ज्वलंत मुद्दों और आर्थिक विषयों पर चर्चा के साथ-साथ चखेंगे लजीज पकवान

नई दिल्ली (आरएनएस)। जी-20 सम्मेलन में आने वाले प्रतिनिधि न केवल दुनिया के ज्वलंत मुद्दों और आर्थिक विषयों पर चर्चा करेंगे बल्कि वे लजीज भारतीय व्यंजनों का भी लुत्फ उठायेंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अनुपस्थिति में हो रहे इस सम्मेलन में जी-20 के राष्ट्रध्यक्षों की पत्नियां और महिला प्रतिनिधियों को केन्द्र सरकार ने आधुनिक स्वरूप में बने भारतीय प्राचीन व्यंजनों के रसास्वादन के लिए आमंत्रित किया है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद , पूसा में मेहमानों को मोटे अनाजों (श्रीअन्न) के बने पकवानों को न केवल चखने के लिए बल्कि इसे बनाने और वैश्विक थाली में सजाकर परोसने के लिए आमंत्रित किया है। इसके लिए पूसा में लाइव कुकिंग एरिया'' का निर्माण किया गया है। प्राचीन मोटे अनाज विशेषकर ज्वार, बाजरा , रागी आदि से पकवानों को तैयार करने के लिए विश्व के तीन प्रसिद्ध रसोइयों कुणाल कपूर, अजय चोपड़ा और अनहिता ढुंढी को विशेष रूप से बुलाया गया है। इसके अलावा आईटीसी समूह के दो शेफ कुश माथुर और निकिता के साथ ही कुछ अन्य सहयोगियों को अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया है। जी-20 के प्रतिनिधियों का मुख्य भोजन मोटे अनाजों पर आधारित होगा। इसकी विशेषता यह है कि इनमें स्टार्टर , सलाद और मीठे पकवान मोटे अनाजों पर आधारित होंगे।

अनहिता मोटे अनाजों से राव तथा बाजरा और कच्चे केले से टिक्की बनायेंगी। इसके साथ ही कुछ कचौड़ी बनायी जायेंगी जिसके अंदर मोटे अनाजों को भरा जायेगा। कुणाल ज्वार और मशरूम की खिचड़ी बनायेंगे। इस खानपान के दौरान बाजरे का ठेकुवा विशेष आकर्षण का केन्द्र होगा । उल्लेखनीय है कि ठेकुवा बिहार का प्रसिद्ध मीठा पकवान है। इसके साथ ही मेहमानों को नींबू और श्रीखंड से बनी मिठाई परोसी जायेगी। इस आयोजन के दौरान छह कृषि स्टार्टअप की एक खूबसूरत प्रदर्शनी का भी आयोजन जायेगा। यह स्टार्टअप अपने नवीनतम प्रौद्योगिकियों का डिजिटल प्रदर्शन करेंगे। लिंजा कार्ड जैसी विश्व प्रसिद्ध स्टार्टअप अपने डिजिटल प्लेटफार्म पर किसानों के ऊपर वैल्यू चेन के असर को प्रदर्शित करेंगे। इसी तरह से एग्रोनेट किसानों के लिए मृदा जांच की ढेर सारी प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जायेगा। इस आयोजन की थीम जलवायु स्मार्ट कृषि, कृषि मूल्य श्रृखंला का नवाचार, कृषि रसद आपूर्ति श्रृखंला में क्रांतिकारी बदलाव तथा कृषि को सशक्त बनाना रखा गया है।

इस आयोजन में देश के तीन कृषि उत्पादक संगठन (एफपीओ) भी अपनी प्रदर्शनी लगायेंगे। इनमें आंध्र प्रदेश ,पश्चिम बंगाल के (एफपीओ) भी शामिल होंगे। सरकार के इस आयोजन के दौरान मोटे अनाजों का उत्पादन करने वाले 11 राज्यों की 22 महिला किसान उद्यमी भी अपने अनुभवों को साझा करेंगी। इन राज्यों में राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश , मध्यप्रदेश , तमिलनाडु, उत्तराखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ , बिहार और असम शामिल हैं। इन महिलाओं ने मोटे अनाजों की खेती को अपने राज्यों में क्रांतिकारी ढंग से बढ़ावा दिया है। इन महिलाओं में मध्यप्रदेश की लहरी बाई, बिहार की शिवानी कुमारी और ओडिशा की सुबाषा मोहंता शामिल हैं। इस दौरान मोटे अनाजों की रंगोली भी बनायी जायेगी जो अतिथियों को आकर्षित करेगी। यह रंगोली दो प्रकार की होगी जिसमें भारतीय सांस्कृतिक दर्शन के साथ 'अनेकता में एकता ' तथा हार्वेस्ट को दर्शाया जायेगा।